'तकनीकी वस्त्रों के लिए मानक' 2047 तक भारत के लिए मानकीकरण पर 5 वें राष्ट्रीय सम्मेलन पर रिपोर्ट

बीआईएस के वस्त्रादि विभाग ने शुक्रवार, 10 जून 2022 को फिक्की फेडरेशन हाउस, नई दिल्ली में फिक्की और वस्त्र मंत्रालय के साथ संयुक्त रूप से 'तकनीकी वस्त्रों के लिए मानक, 2047 तक भारत के लिए मानकीकरण' पर 5वें राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया।

सीमा सड़क संगठन, भारतीय नौसेना, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो), मंत्रालयों, केंद्र और राज्य सरकारों के विभागों, शिक्षाविदों, अनुसंधान एवं विकास संस्थानों, उद्योग और व्यापार के लगभग 300 प्रतिनिधियों ने हाइब्रिड मोड (फिज़िकल और वर्चुअल) के माध्यम से सम्मेलन में भाग लिया।

कॉन्क्लेव का उद्घाटन वस्त्र मंत्रालय के सचिव श्री यू पी सिंह ने किया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि वस्त्रों में राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन (एनटीटीएम) और पीएलआई योजना द्वारा भारत में तकनीकी वस्त्रों के उत्पादों के दायरे और निर्यात को मदद मिलेंगे। उन्होंने कहा कि मानक भारत में तकनीकी वस्त्र निर्माताओं के लिए एक सुविधाजनक ढांचा प्रदान करते हैं। प्रत्येक उत्पाद श्रेणी और अनुभाग के लिए मानकों को निरंतर अपनाने और उन्नयन से भारत में तकनीकी वस्त्र उत्पादों की खपत पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

श्री राजीव शर्मा, उप महानिदेशक (मानकीकरण-1), बीआईएस ने अपने विशेष संबोधन में बताया कि बीआईएस द्वारा तकनीकी वस्त्रों के क्षेत्र में अब तक 500 से अधिक मानक विकसित किए जा चुके हैं और लगभग 40 विषयों पर काम चल रहा है। उन्होंने मानकीकरण प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए बीआईएस द्वारा की गई विभिन्न पहलुओ पर भी प्रकाश डाला।

मुख्य भाषण के दौरान, लेफ्टिनेंट जनरल श्री राजीव चौधरी, वीएसएम, महानिदेशक, सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) ने भारत की सीमाओं, पहाड़ों और वर्षा प्रभावित क्षेत्रों के विभिन्न सड़क निर्माण परियोजनाएं में जियोग्रिड, जियोसेल, जियोफैब्रिक्स और जियोड्रेन सहित जियोटेक्सटाइल उत्पादों को व्यापक उपयोग में लाने में बीआरओ की सक्रिय भूमिका पर जोर दिया। इस प्रकार, इन उत्पादों का मानकीकरण आगे चलकर उनके उपयोग को और बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

तकनीकी सत्रों के दौरान, वस्त्र विभाग के अधिकारियों द्वारा तकनीकी वस्त्रों के विभिन्न क्षेत्रों पर निम्नलिखित प्रस्तुतियाँ दी गईं:

i) श्री जे के गुप्ता, प्रमुख, वस्त्रादि विभाग ने कृषि तकनीकी के क्षेत्र में मानकीकरण की स्थिति पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

ii) श्री धर्मबीर, वैज्ञानिक-सी, वस्त्रादि विभाग ने चिकित्सा तकनीकी, वाहन तकनीकी और औदयोगिक तकनीकी के क्षेत्र में मानकीकरण की स्थिति पर पेपर प्रस्तुत किए।

iii) श्री मयूर कटियार, वैज्ञानिक-बी, वस्त्रादि विभाग ने सुरक्षा तकनीकी और उच्च प्रदर्शन फाइबर के क्षेत्र में मानकीकरण की स्थिति पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

iv) श्री हिमांशु शुक्ला, वैज्ञानिक-बी, वस्त्रादि विभाग ने भु तकनीकी और निर्माण तकनीकी के क्षेत्र में मानकीकरण की स्थिति पर एक पेपर प्रस्तुत किया।

उद्योग और व्यापार के सभी प्रतिनिधियों से अपने क्षेत्रों में भारतीय मानकों को लागू करने और उपभोक्ताओ के विश्वास को हासिल करने के लिए एवं अपने उत्पाद की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए बीआईएस के कन्फॉर्मिटी मूल्यांकन योजना के विकल्प चुनने की भी अपील की गई। हितधारकों के मानकीकरण तथा बीआईएस के अन्य गतिविधियों से संबंधित विभिन्न प्रश्नों का उत्तर दिया गया। इस घटना को मीडिया द्वारा व्यापक रूप से कवर किया गया था।

Report on 5th National Conclave on 'Standards for Technical Textiles' Building Standards for India@2047

Textiles Department of BIS organized the 5th National Conclave on 'Standards for Technical Textiles, Building Standards for India@2047' jointly with FICCI and Ministry of Textiles on Friday, 10 June 2022 at FICCI Federation House, New Delhi.

Around 300 delegates from Border road organization, Indian Navy, Indian Space Research Organization (ISRO), Line Ministries and Departments of the Central and State Governments, Academia, R & D institutes, industry and trade attended the conclave through a hybrid mode (Physical and Virtual).

The conclave was inaugurated by Shri U P Singh, Secretary, Ministry of Textiles. He highlighted that the National Technical Textiles Mission (NTTM) and PLI scheme in textiles will support the penetration and exports of technical textiles products in India. He added that standards provide a facilitating framework for technical textiles manufacturers in India. Continuous adoption and up-gradation of the standards for each product category and segment will have a positive impact on the consumption of technical textile products in India.

Shri Rajeev Sharma, DDG (Standardization-1), BIS, during his special address, informed that over 500 standards have been developed by BIS in the field of technical textiles so far and work on about 40 subjects is underway. He also highlighted the various initiatives undertaken by BIS for fast-tracking the standardization process.

During the Keynote address, Lt. Gen. Shri Rajeev Chaudhry, VSM, Director General, Border Roads Organization (BRO) emphasized the active role of BRO in driving the wide usage of Geotextiles products including Geogrid, Geocells, Geofabrics and Geodrains across different road

construction projects at borders, mountains and rain infested areas of India. Thus, standardization of these products plays an important role in further increasing their usage, going forward.

During the Technical sessions, the following presentations on different fields of technical textiles were delivered by the officers of Textiles Department:

i) Shri J K Gupta, Head, TXD, delivered a paper on the status of standardization in the field of **Agrotech.**

ii) Shri Dharmbeer, Sc-C, TXD, delivered papers on the status of standardization in the field of **Medtech, Mobiltech and Indutech**

iii) Shri Mayur Katiyar, Sc-B, TXD, delivered a paper on the status of standardization in the field of **Protech and high-Performance fibres.**

iv) Shri Himanshu Shukla, Sc-B, TXD, delivered a paper on the status of standardization in the field of **Geotech and Buildtech.**

An appeal was also made to all the delegates from industry and trade to implement Indian Standards in their domain areas and to opt for BIS conformity assessment scheme to ensure quality of their product in order to gain consumer confidence.

Various queries of stakeholders pertaining to standardization and other related activities of BIS were answered. The event was widely covered by media.

MINISTRY OF
TEXTILES
Azadi Ka
Amrit Mahotsav
FICCI
5th National Conclave on
RAJNIKANT SABNAVIS
UPENDRA PRASAD SINGH
RAJEEV CHAUDHRY

5th National Conclave on
Standards for Technical Textiles
Building Standards for India@2047
FICCI

MINISTRY OF TEXTILES
Azadi ka Amrit Mahotsav
FICCI
R K SURESH
ARINDAM BASU
VINEET KUMAR ARORA

5th National Conclave on
Standards for Technical Textiles
Building Standards for India@2047
June 10, 2022- New Delhi
FICCI
DHARMBEER
SUDIPTA SAHA
NITIN HAYARAN

5th National Conclave on
Standards for Technical Textiles
Building Standards for India@2047
June 10, 2022- New Delhi
FICCI
DHARMBEER
SUDIPTA SAHA
NITIN HAYARAN

MINISTRY OF
TEXTILES
FICCI
5th National Conclave on
J K GUPTA
SANJOY DEBNATH
DHARMBEER

FICCI
5th National Conclave on
Standards for Technical Textiles
Building Standards for India@2047
Thank You Partners

वस्त्र मंत्रालय
MINISTRY OF
TEXTILES
Azadi Ka Amrit Mahotsav
FICCI
5th National Conclave on
2022-New Delhi
RAJPAL
S K MISHRA

वस्त्र मंत्रालय
MINISTRY OF
TEXTILES
Azadi Ka Amrit Mahotsav
FICCI
5th National Conclave on
Standards for Technical Textiles
Building Standards for India@2047
June 10, 2022 - New Delhi
DEEPALI PLAWAT
DHARMBEER